प्रेस सूचना ब्यूरो
भारत सरकार

****

100 दिवसीय कौशल महोत्सव

आयोजन के दौरान 90 विभिन्न संस्थानों के 400 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया

जैसा कि हम दिल्ली विश्वविद्यालय की शताब्दी मना रहे हैं, हमें एक समग्र कौशल वातावरण के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में कौशलोन्नयन और पुनः कौशलीकरण को जारी रखना चाहिए: श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, एमएसडीई

नई दिल्ली
09 मई, 2023

श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय में 100 दिवसीय कौशल महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित किया। शिक्षा और सशक्तिकरण के 100 गौरवशाली वर्षों को चिह्नित करने के लिए अपना शताब्दी वर्ष मनाते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय के दो संस्थान, संक्रामक रोग, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नवाचार केंद्र (सीआईआईडीआरईटी) और कौशल संवर्धन और उद्यमशीलता विकास दिल्ली स्कूल (डीएसएसईईडी) एक साथ आए। '100 दिवसीय कौशल महोत्सव' के समापन समारोह का उत्सव मनाने के लिए देश भर के 90 विभिन्न संस्थानों और पाठ्यक्रमों के 400 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित और कौशल उन्नयन किया गया है।

प्रासंगिक क्षेत्रों में उनकी नियोजनीयता बढ़ाने और उत्पादकता में सुधार करने के लिए पर्याप्त कौशल सेट के साथ देश के युवाओं को सशक्त बनाने के कुशल भारत मिशन के उद्देश्य के साथ, यह उत्सव 17 दिसंबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैंपस में शुरू हुआ। इसने एक इकोसिस्टम बनाया है जो न केवल सीखने के लिए प्रोत्साहित करता है, बल्कि छात्रों, प्रशिक्षकों, शिक्षाविदों, उद्योग और सुविधाकर्ताओं को एक साथ लाकर सहयोग और नेटवर्किंग के लिए एक मंच भी प्रदान करता है।

100 दिवसीय कौशल महोत्सव ने "बियॉन्ड क्लासरूम लर्निंग" की प्रभावशीलता को स्थापित किया है, जो इसकी स्थापना के बाद से सीआईआईडीआरईटी का आदर्श वाक्य रहा है। इस कार्यक्रम में इन 100 दिनों में सूक्ष्म जीव विज्ञान में बुनियादी तकनीक, जीनोमिक्स में तकनीक, जीव विज्ञान के लिए पायथन और इसका व्यावहारिक दृष्टिकोण, एनजीएस और जीनोमिक डेटा साइंस और पेटेंट के माध्यम से बौद्धिक संपदा के रूप में नए ज्ञान का विश्लेषण और संरक्षण, छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों के कौशल विकास के लिए विभिन्न विषयों और सीखने के स्तर पर बनाए गए अनुकूलित पाठ्यक्रम जैसे विषयों पर 13 प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गई। इसके अतिरिक्त, सैद्धांतिक बायोटेक अनुसंधान, प्रक्रिया और उत्पाद विकास में नियोजित उन्नत तकनीकों से संबंधित कार्यशालाएं/संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) आयोजित किए गए।

इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए श्री अतुल कुमार तिवारी, एमएसडीई, सचिव ने कहा कि भारत के युवाओं के विकास और देश के समग्र विकास के लिए कौशलीकरण, पुनःकौशलीकरण और कौशलोन्नयन पहल महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने सीखने, सहयोग और नेटवर्किंग को बढ़ावा देने वाले इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में एक कदम उठाने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय, सीआईआईडीआरईटी और डीएसएसईईडी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त उपकरणों और तकनीकों के संपर्क में आने से न केवल नियोजनीयता में

वृद्धि होगी बल्कि नवाचार और उद्यमशीलता को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि जैसा कि हम दिल्ली विश्वविद्यालय की शताब्दी मना रहे हैं, हमें अपने युवाओं को व्यापक सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए तैयार करते हुए समग्र कौशल वातावरण के महत्वपूर्ण घटकों के रूप में कौशलीकरण और पुनःकौशलीकरण को जारी रखना चाहिए।

प्रो. अमिता गुप्ता, सीआईआईडीआरईटी, निदेशक ने कहा कि बियांड क्लासरूम मोड में हैंड्स-ऑन कार्यशालाओं के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने से बेहतर नियोजनीयता के लिए उनकी शिक्षा में मूल्य वृद्धि होगी और उन्हें नवाचार और उद्यमशीलता की ओर भी ले जाया जाएगा। कौशलीकरण केवल नियोजन के लिए एक मार्ग के रूप में नहीं है; कौशलीकरण प्रौद्योगिकी निर्माण और आत्मनिर्भरता का प्रवेश द्वार है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के साथ नवाचार को बढ़ावा देने वाले कौशलीकरण हब की स्थापना और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

प्रो. वी.के. चौधरी डीएसएसईईडी, निदेशक (माननीय) ने कहा कि 100 दिवसीय कौशल महोत्सव एक उदाहरण है जिसे अन्य विषय क्षेत्रों में विस्तारित करने की आवश्यकता है ताकि कौशलीकरण सभी स्तरों पर शिक्षा पाठ्यक्रम का एक अंतर्निहित और अविभाज्य भाग बन जाए।

****